

DPN 6002

Title : नामसंगीति NĀMA SAMGĪTĪ

Run. No. 6693

Cat. No.

Micro. No.

Subject ~~गोत्र~~ Hymn

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 × 15.5 Folios 16 Lines (in a page) 19

Compl. / Incompl.

Chapt. / act / ~~1805-1-2~~

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य
Phanindraratna Vajracarya

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

(टिप्पणी) : भुक्ति कदाचल स्तुति २ ५ ।

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / Book form

Remark : This codex also contains Dasaślok
Stuti.

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ

१०९।। नाम संज्ञाति

म

सा



म

म

ॐ

महासिद्धिरत्ननाथाय नमः

अनमाथीमहासंज्ञायाः

गजपल्लव

राज

अनमाथीमहासंज्ञायाः ॥ अथ वज्र
धनञ्जीमान् इन्द्राक्षरमकं पद ॥ जिला
कविजयीवीणा गुहनाककुलिः स्व
न ॥ १ ॥ विवृधपुंशुनीकाकः प्रसूत्रक
मलानन ॥ प्रलालेयवज्रवला स्वकं व
धमूरुमूरु ॥ २ ॥ रूद्रदिनवोगप्रमुखे
बल्लभैवजपातिरि ॥ इन्द्राक्षरमकविने
वीनारिहत्सवपिहि ॥ ३ ॥ इन्द्रालयहि
श्वकने प्रसूत्रवक्रकाटिहि ॥ प्रक्षपा
यमहाकनूतः गगदर्थकनेधने ॥ ४ ॥
रूद्रकुष्ठसंयमेमुनि काठविग्रहवपि
हि ॥ वृधकचकनेमये साईप्रनकावि
ग्रह ॥ ५ ॥ पुनर्मनाथसंवद्रः रगवंक
कथगक ॥ कनांमलिपूटाकृत्वा रूद्रं
माहथिनागक ॥ ६ ॥ माईनायममा
थयः अनूकंपायमविता ॥ मायां ना
लाहिसंवाधिः जथावाहिरुवाप्यहं ॥
॥ १ ॥ मूलानयंकमग्ननाः कनव्याक
लवकसा ॥ हिनायसर्वस्त्वानाः अनू

रुद्ररुलायनय ॥ ८ ॥ प्रकासयडसंवृ
 रुगवान्मास्तुगगलुन ॥ महासमयस
 त्वहा ॥ ९ ॥ त्रिधासयवित्तन ॥ २ ॥ रुगवान्
 शानकायस्य महाधुषस्यगिस्तु ॥ मंश
 श्रीशानकायस्य शानमूर्तिस्वयंरुवः ॥
 ॥ १० ॥ गंमिनाथमृदानाथ माहाथमस
 मासिवा ॥ अदिमध्याककल्पानि नामसं
 गितिमूर्तमं ॥ ११ ॥ गानिर्गहाधिरावृ
 राधिराधरं कनागर ॥ प्रभूत्सनाथसंवृ
 चयाहाधरं पुनपुनः ॥ १२ ॥ मायांगाले
 महानरुं यावोसिसंप्रगीयत ॥ मासव
 जधवेहरे नम्ययेमंशुधिरि ॥ १३ ॥
 अहंवेनाधवयिष्यामि निर्यामक्दृष्ट
 नय ॥ यथाहगवाम्पहंनाथ सर्वसंवृधु
 रुधक ॥ १४ ॥ प्रकासयिष्यसत्त्वानां यथा
 सयविलभत ॥ अलभकजनानासाय अ
 लभश्चानहानय ॥ १५ ॥ एवंमध्यधु
 क्तवजपातिस्तथागत ॥ रुगांगलि
 पूटारुत्वा प्रककायस्थितागत ॥ १६ ॥

अरुधषनागमथावा ॥ १८ ॥ अथ
 मकमृतिरुगवान् संवृधाधिपशनम
 ॥ निरुमेय्यायनाधिनां स्वजिह्वास्वमृषां
 कृतां ॥ १ ॥ स्मिन्संदर्भलोकानां मयायं
 जयस्वधनं ॥ जेलाकेलास्केननं वडमा
 नाविमोसनं ॥ २ ॥ जिलोकमापूनयंशा
 वक्रामध्वनयागिना ॥ प्रयहाधदुगुड
 वजपातिमहावल ॥ ३ ॥ साध्वजधन
 श्रीमान साध्वतवजपातय ॥ मह्वजंग
 द्विनाथय महाकननयाविरु ॥ ४ ॥
 माहाथनामसंगिनी प्रविजमधनासि
 नि ॥ मंशुशानसत्त्वस्य मंशुआडसम
 यत ॥ ५ ॥ रुसाध्वनयामध अहंरु
 ककाधिप ॥ अनूत्वंमकागमना रुसा
 ध्वरुगवांतिनि ॥ ६ ॥ पुनिववनगाथा
 धद ॥ ७ ॥ अथमकमृतिरुगवान्
 सकलमर्ककूलंमहत् ॥ मंशुविद्याधले
 कूलं व्यवलाकेकूलजयं ॥ १ ॥ लाकालो
 काकनकूलं लाकालाककूलंमहत् ॥

महामुद्राकुलं चागममहाविषकुलं म
 हन् ॥ २ ॥ **षट्कुलावलाकनगमथाद्य**
मा ॥ २ ॥ ॐ मां षट्मं ज्ञानं संयुक्ता
 मद्ययादयं ॥ अनन्यादधर्मनिगमथा ॥ लो
 षरुस्मगिलां परं ॥ १ ॥ अत्र ॐ ॐ ॐ ॐ
 कुजने गे गे अस्मिना हृदि ॥ हाने मूर्ति
 न हं वृक्ष ॥ वृक्षानां सुधवर्किनां ॥ २ ॥ अ
 वज्रनि क्रूरखट्वदृष्टा हाने मूर्त्य ॥
 हानकायवागीश्वर ॥ अलपंचनायक
 नमः ॥ ३ ॥ **मायाजालाहिसंवाधिक**
मनिगमथापि ॥ ३ ॥ कथथा रग
 वां वृक्ष ॥ संवृक्षकालसंरुवा ॥ अकाल
 सर्ववेष्टु ॥ माहाथपनेमाकन ॥
 ॥ १ ॥ **महापा** ॥ हनन्यादवागुदाहान
 वर्जित ॥ सर्वाहिलोपहृत्वरु ॥ सर्ववाक
 सप्रहास्वने ॥ २ ॥ **महामहमहा** नाग
 सर्वसत्त्वेनिकन ॥ **महामहमहा** दध
 सर्वजममहाविप ॥ ३ ॥ **महामहम**
 हाभाह ॥ मूढविमाहसुंदन ॥ **महामह**

महाका ॥ महाकाधनी पूमहान ॥ ४ ॥
 महामहमहाबाह ॥ सर्वबाहनिसेंदन
 ॥ **महाकामा** महासोखा ॥ **महामाक्ष** म
 हानति ॥ ५ ॥ **महावृषा** महाकाया ॥ महा
 व ॥ **महावपू** ॥ **महानामा** महादना ॥ म
 हाविपूलमंदल ॥ ६ ॥ **महाप्रहा** यूवध
 ना ॥ **महाक** ॥ **महागति** ॥ **महायसा** महा
 किर्क ॥ **महाशक्ति** महायुति ॥ ७ ॥ **महा**
 मायाधनाविहान ॥ **महामाया** र्थसाध
 क ॥ **महामाया** नतिनगा ॥ **महामाये** डआ
 लिका ॥ ८ ॥ **महाशन** प्रति ॥ **महा**
 नीलधनागति ॥ **महाका** निधनाधिना
 महाविष्यपनाकम ॥ ९ ॥ **महाध्यान**
 समाधिशा ॥ **महाप्रहा** गलिलधक ॥ म
 हावना महापाय ॥ **प्रतिविहान** सागन
 ॥ १० ॥ **महाभेगी** मया मया ॥ **महाका** नू
 धिकाश्रधि ॥ **महाप्रा** महाधिमान
 महापायामहाशक्ति ॥ ११ ॥ **महा** मधि
 वलाप्यरु ॥ **महाव्य** ॥ **महागव** ॥ **महर्षि**

२५
 ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

१ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

कामहन्त्राख्या. महावलपनाक्रमः ॥ १२ ॥
 महाहवाडि संरुक्. महावज्रधनाघन
 ॥ महाक्रनामहानोडा. महाहयहयंक
 नः ॥ १३ ॥ महाविद्यानमानाथ. महामं
 तमागुनः ॥ महायाननयावृष्टा. महाया
 ननयाकूमः ॥ १४ ॥ वज्रधनुमहामंद
 लगाथवतुर्दमः ॥ १५ ॥ महावेना
 वनावृक्ष. महामोनिमहामूनि ॥ महा
 मंजनयालुगा. महामकुनयात्मकः ॥ १
 दमपानमिनापाशा. दमपानमिनाशु
 यः ॥ दमपानमिनाशु. दमपानमिना
 नयः ॥ २ ॥ दमकुमिस्रवानाथ. दमह
 मिप्रतिस्थितः ॥ दमहोनविशुद्धात्मा. द
 महानविशुद्धकः ॥ ३ ॥ दमकाशोद
 माथ. मूनिडोदमवलाविरुः ॥ अ
 लषविस्वार्थकना. दमकोलावसिम
 हानः ॥ ४ ॥ अनादिनिष्ठपंचात्मा. उडा
 स्माथमात्मकः ॥ रतवादिनयवादि
 कथकालिजनमवाकः ॥ ५ ॥ अघ

यादयवादिच. रतकाटिव्यवस्थितः ॥
 नेनात्स्यसिंहनिर्नाद. कृतिथमगहिक
 नः ॥ ६ ॥ सर्वगणमाघगति. कृथाग
 नमनाजवः ॥ जिनाजिनानिविजयो. व
 कवर्णिमहावलः ॥ ७ ॥ गतमूखागना
 वाथ्या. गतमूखगनपतिवसिः ॥ महान
 हावाक्षेत्रयाश्नमयामहानयः ॥ ८ ॥
 वागिखनावाक्कतिवागि. वावस्पति
 वनकगि ॥ सस्यवाकसस्यवादिच. वड
 सस्यपदमकाः ॥ ९ ॥ अवेवर्णिकाश्च
 नागोमि. खत्रपुष्पकनायकः ॥ नानानि
 र्याननिर्याना. महारुनेककावनः ॥ १० ॥
 अहंकिनाश्वहिक. विरुनागमजिनं डि
 यः ॥ रमयाफारुयषाफ. नीतिरुगाक
 नाविदः ॥ ११ ॥ विद्यावननसंपन्नः. मृग
 गालाकवित्पनः ॥ निर्ममानिनहंकोन
 सस्यदयनयस्थितः ॥ १२ ॥ संसल्लपा
 लकोनिसुक्तसस्यथयधितः ॥ केव
 लेशननिसुक्त. पशोसुक्तविदवन

॥ १३ ॥ सधर्माधर्मनाहास्वान् लाकाला
ककनंपनधर्मश्च नाधर्मनाहा लया
मागुपदनका ॥ १४ ॥ सिद्धार्थसिद्धसंक
ल्पसर्वसंकल्पवर्जित ॥ निर्विकल्पा क
याधुधर्मधुधुपनावाय ॥ १५ ॥ प्र
यवान्पुन्यसंज्ञाः शूनंज्ञानाकनंम
हन ॥ शूनवानासेदंज्ञानि संज्ञावाक्य
सेदं ॥ १६ ॥ अश्वनाविश्वना योगी
ध्यानाध्याधियां पति ॥ प्रयात्मवेध
वनन पनमाधाजिकायना ॥ १७ ॥
पंवकायात्मकावध पंवज्ञानोमकावि
रु ॥ पंववधमकनष्ट पंववेज्ञानसंग
धक ॥ १८ ॥ जनकसर्वधुधनां वधपू
पशवन ॥ प्रहारुवाहवायानि धर्मया
त्रिरुयांनकन ॥ १९ ॥ धनेकसावावजा
सा सधाज्ञानोक्तगत्यनि ॥ गगनाहव
स्वयंरूपज्ञानननामहान ॥ २० ॥ ध
नावनामहादिष्टि शानकतिविवाव
न ॥ जगत्पदीशानाका महानज्य

हास्वन ॥ २१ ॥ विद्यानागागमं प्रस्वमं
नाजामहार्थकृत ॥ महाधुधुवाहकउष्टी
धविस्वदभाविद्येत्यनि ॥ २२ ॥ सर्ववध
महावायजगदानेदलावन ॥ विस्व
धाविधनाव पृथग्मानामहाभवि ॥ २३
कूलज्यधनामंगी महासमयमकुध
क ॥ कूलज्यधनलष्ट विद्यानाकमद
नंका ॥ २४ ॥ जमाधपासविजयी वज
पात्ममहागुह ॥ वजांरुमहापाजव
जहेनवहिकन ॥ २५ ॥ ॥ ७ विधुधध
मधुधुज्ञानगमयार्थविनि ॥ २६ ॥
॥ जादनास्वनमूखाहिमस्वनगाधरु
जावलि ॥ २७ ॥ ॥ ७ कलालकंकावा हला
हलसगानन ॥ १ ॥ ॥ ७ माककाविधुना
जवेजवगवहयंकन ॥ विधुधुहलव
जमायावजामहादय ॥ २ ॥ ॥ ७ ली
॥ ७ वजजानि वजमंशनहायम ॥ ७
वलेकजटाया गाजवर्मपनाधक ॥
॥ ३ ॥ हाहाकावा महाधावा हीहंका

नाहयानक ॥ अहहासामहाहासा वज्र
 हासामहावल ॥ ४ ॥ वज्रसुखमहासु
 ख वज्रवाजामहासुख ॥ वज्रवज्रमहा
 मेश वज्रहस्तलहस्तानि ॥ १ ॥ वज्रवा
 नायुधधरा वज्रखण्डनिर्गहन ॥ वि
 श्ववज्रधरावज्रिजकवशीननंजह ॥ २ ॥
 ॥ ७ ॥ वज्रकालाकलानाका वज्रका
 लासिवावह ॥ वज्रावरणमहावेग ॥ १
 प्राकावज्ररावन ॥ १ ॥ वज्रवामांकुल
 गनू वज्रवामेकविग्रह ॥ वज्रकाटिन
 खालंका वज्रसालघनदुवि ॥ ८ ॥
 वज्रमालोधलश्रीमान वज्राहवनरु
 धिर ॥ हाहाहहासानिर्घाषा वज्रघा
 षाघृकन ॥ २ ॥ मरुघाषमहानाद
 जेलाकेगुरुममहान ॥ आकानध
 उपर्यरुघाषाघाषेवगावन ॥ १० ॥
 आदर्भनगाथापांशनसाईदभ ॥ १०
 तथगारुगनेनास्य रूतकाटिननक
 व ॥ ३ ॥ योगावादिविषरु गंहिनाशन

गर्जन ॥ १ ॥ धर्मसंध्यामहानथा ध
 र्मगाडिमहावन ॥ अप्रतिष्ठितनिर्वाण
 दमादिगमइंइति ॥ २ ॥ अनूपा नूपा
 नाण नाना नूपा मनामय ॥ सर्वनूपा
 वरासुजी नरभषपतिविंवधक ॥ ३ ॥
 अप्रधध्यामहसाय ॥ उधउकमहस
 न ॥ समुद्रिगार्यमार्गधा धर्मकडमहा
 दय ॥ ४ ॥ जेलाकेकरुमालाग स्थवि
 राहधप्रजापति ॥ हाडिनलकनधन
 काकाजेलाकसुदन ॥ ५ ॥ लाकशन
 गुनावाध्या नाकावाय्यविभावद ॥ ना
 थजगाजिनाकाधु सवननान्नीर
 नन ॥ ६ ॥ गगनालागसंहाग सर्वह
 शानसागन ॥ अविषाडकासुसंरु
 रुवर्षजलदानन ॥ १ ॥ समिगारभ
 खसंजन संसानाधुवपावग ॥ हा
 नाहिवकमकूट ॥ संम्यसंधुधरुख
 न ॥ ८ ॥ जिहखखसमन उंनानन
 समुस्थिर ॥ सर्वावनननिर्मुक्त आका

ससमतांगत ॥ २ ॥ सर्वज्ञसमलानिक
 । ध्यानं ध्यागतिंगत ॥ सर्वसत्त्वमहाना
 वि. गुनलक्षणलक्षण ॥ १० ॥ सर्वाख
 धिविनिर्मक. व्यामवत्सनिस्थित ॥
 महावितामेनिधन. सर्ववत्तमावि
 त् ॥ ११ ॥ महाकल्पकस्थिता. महारु
 द्धगाम ॥ सर्वसत्त्वार्थकककली. हि
 तेषिसत्त्ववत्स ॥ १२ ॥ अहाउरुहेका
 लह. समयह. समयविरु. सत्त्वजिय
 ह्वेलक्ष. विमूक्तियकाविद ॥ १३ ॥
 गुनिगुनेहधमह. प्रसक्तमंगलाद
 य ॥ सर्वमंगलमंगल्य. किर्तिलाक
 यसुह ॥ १४ ॥ महासुर्वामहास्वासा
 महानंदमहानि ॥ सकलसत्त्वकि
 र्मि. प्रमादजायसंपत्ति ॥ १५ ॥ वने
 नावदल. सवयसवनाक्रम ॥ म
 हाह्याविपुवरा. नि. लखरुयनाभन
 ॥ १६ ॥ सिधिसिधंदिगतिना. जतिभो
 विकिविनिमान् ॥ पंचाननपंचनिख

पंचविनकराधन ॥ १७ ॥ महाधुतधना
 सोजि. बुद्धवावीवताम ॥ महारपा
 तपानिष्ट. स्नातकालेकमागति ॥ १८ ॥
 बुद्धविहवभरसाविष्वा. बुद्धनिर्वाणमा
 प्रवान ॥ प्रेकिमाकाविभासांग. विमूक्ति
 भाकगोनिव ॥ १९ ॥ निर्वाणनिर्वाणिभा
 कि. लयानिर्याणमंगग ॥ सुखः इष्टाकुरु
 कनिष्ठा. वेनारगमपधिकय ॥ २० ॥ अ
 जयाअनूपमाव्यक. निनातासानिवंश
 न ॥ निखनसर्वगाव्यापि. सुभाविशम
 नाशव ॥ २१ ॥ अवशाविनशाविमला. वा
 रुषाषानिनामय ॥ सुप्रवक्ष. विवक्षत्मा
 सर्वह. सर्ववित्पन ॥ २२ ॥ विज्ञानधर्मना
 कि. हानमदधनपधक ॥ निर्विकल्पा
 निराहग. धुंधासंवधकोपधक ॥ २३ ॥
 अनादिनिधनाबुध. आदिबुधानिनाम
 य ॥ हानेकवक्रनमला. हानमूर्तिगथा
 गत ॥ २४ ॥ वागीश्वरीमहावादिवादि
 नाद्वादिपुंगव ॥ वरुणावलावलिपुष्ट

वादिसिंहापनाजिह्वा ॥ २५ ॥ समं नद
 निपाभायः सुखामानिसुदर्शन ॥ जीव
 नसुप्रहादिष्टिः तातासुनवनधति ॥ २६ ॥
 ॥ २६ ॥ महाहिषवेल्लेष्टः जल्यहर्का
 निरुक्त ॥ अलखरुषधरुक्तः कलया
 धिमहोनिप ॥ ३ ॥ जलाकतिनककां
 नाः जीमानरुक्तमंदल ॥ दमदिगव्या
 मपय्यरुधर्मधरुमेहाद्य ॥ २८ ॥
 रुगाद्युक्तविषयाः पेयीकनूनमंदल
 ॥ पमनयसुवनजीमानः बलद्युगमहा
 विरु ॥ २९ ॥ सर्ववधमेहानागाः सर्व
 वधात्मकावकाः ॥ सर्ववधमहाजागः सर्व
 वधेकसासन ॥ ३० ॥ वजनलाहिखे
 कलीः सर्वजलाधियधन ॥ सर्वलोक
 खनपतिः सर्ववधनाधिय ॥ ३१ ॥ स
 र्ववधमहाविहः सर्ववधमनागति ॥
 सर्ववधमहाकायः सर्ववधमनस्वति
 ॥ ३२ ॥ वजसूर्यमहालोकाः वज्रद्वि
 मलपुरु ॥ विनागादिमहाभारतः वि

स्ववधुक्तलपुरु ॥ ३३ ॥ संवधवजय
 य्यरुः वधसंगीतिधर्मधक ॥ वधपथा
 द्रवजीमानः सर्वहृष्टानकासधक ॥ ३४
 विस्वमायाधनागाः विस्वनिर्धना
 महान ॥ वज्रतिक्तामहाधनाः विधुधप
 नमाकन ॥ ३५ ॥ इत्युदमहायानाः व
 रुधर्मांमहायुध ॥ जिनाजिवजगांतिर्य
 वज्रवधियथार्थवित ॥ ३६ ॥ सर्वपात्र
 पितापुत्रिः सर्वरुमिविरुषन ॥ विधुध
 धर्मनेनात्यः सम्पकज्ञानेद्रुत्यरु ॥ ३७
 मायाजालमहायागेः सर्वगंजधियपन
 ॥ अलखवजयय्यरुः निलखज्ञानकाय
 धक ॥ ३८ ॥ समं नदसुमतिः कितिग
 रुक्तगोधति ॥ सर्ववधमहागर्गाः विस्वनि
 र्मानवकधक ॥ ३९ ॥ सर्वरावस्वरावो
 णः सर्वरावस्वरावधक ॥ अनुरादध
 र्माविस्वार्थः सर्वधर्मस्वरावधक ॥ ४०
 यकरुनेमहाप्राहः सर्वधर्माविवोधध
 क ॥ सर्वधर्माहिसमेयः रुतांनमनिनध

विंस्त्रयाकालसंवाधि. विवृधसर्ववित्त
 न॥ १॥ अमेयवृधनिर्मान. कायकाटि
 विहावक॥ सर्वकनाहिसमय. सर्वविन
 कनोर्थविन॥ १३॥ नानोयाननभावाय
 जगदर्थविरोधक॥ यानशिरयनिर्यान
 यकयानरुलेष्टि॥ १४॥ कनधकुवि
 उधत्मा. कर्मधकुयंकव॥ शाघादधि
 समुक्तिर्न. यागकांतावनिसृज॥ १५॥
 क्रुन्नापक्रमसंक्रम. सुप्रहिनसुवास
 न॥ प्रक्षपायमहाकनना. अमाधजग
 दर्थकृत्॥ १६॥ सर्वसंज्ञाप्रहिनोर्थवि
 क्षानार्थनिवाधधक॥ सर्वसत्त्वमनावि
 धय. सर्वसत्त्वमनोगति॥ १७॥ सर्वस
 मनाह्लादि. सर्वसत्त्वमनावति॥ १८॥ सि
 द्धाविजमायुन. सर्वशान्तिविवर्जित
 ॥ निमदिगधमनियुंध. सर्वार्थजीगुना
 त्मक॥ १९॥ पंचस्कंधार्थविस्काव. सर्व
 कनविहावक॥ यककनाहिसंवध. स
 र्ववृधस्वरावधक॥ २०॥ अनेगकाय

कायाद्य. कायकाटिविहावक॥ अजय
 नूपसंदर्भ. वत्तकउमहामनि॥ २१॥
 समताहानगाथायुविमति॥ २२॥
 सर्वसंवधवाधया. वृधवाधिननू
 न॥ अनकयामंगयानि. महामंगकूल
 जय॥ १॥ सर्वमंगार्थजनका. महावि
 द्मनकन॥ पंचाकनमहाउन्ना. विंद
 उन्मधउकन॥ २॥ सर्वाकननिवाका
 व. धाउसाधधविम्वधक॥ अकनकल
 नातिर. वउर्थध्यानकाटिधक॥ ३॥
 सर्वध्यानकलाहिह. समाधिकूलगव
 जविन॥ समाधिकायकायाद्य. सर्वसं
 जगकोयनात॥ ४॥ निर्मातकायका
 याद्य. वृधनिर्मानवंगधक॥ द्मदिक्
 विस्वनिर्मान. यथावजजगदर्थकृत्
 ॥ ५॥ द्वाविदवादेवउ. सुवंगदा
 नवाधिय॥ अमलंडसुवगुन. प्रमर्थ
 प्रमथस्वन॥ ६॥ जमिहुरवकांगान
 यकसात्मेजगमगुन॥ प्रयाकदमदि

लोक धर्मदानपतिमहान् ॥ ७ ॥ मेजी
 संनाहसंनई कनूनावत्समेवार्कित ॥ ८ ॥
 हारवद्धनूर्वान् कनूहानवनंरुह ॥
 ॥ ९ ॥ मालालिमालकिद्विव वडुमीला
 रुयांरुह ॥ सर्वमालवमूक्षणां संवध
 लाकनायके ॥ १० ॥ वेदपूर्वसिवायध
 माननियचनिचस ॥ अवनियनमासां
 नानमस्यपनमेगुन ॥ ११ ॥ जेलाकेक
 कमगति चोमापयनरुविक्रम ॥ जेविष्य
 अनियपुन वडुहिरुषठनस्मृति ॥ १२ ॥
 वाधिसत्त्वमहासत्त्व शाकानिरुमहर
 धिक ॥ प्रहायानेमिनातिष्ट प्रहागत्व
 त्वमार्गन ॥ १३ ॥ आत्मवित्त्वनवित्सर्व
 सर्वायाश्चरुपुंगल ॥ सर्वापमामनि
 काका ह्याहानाधिपयन ॥ १४ ॥ ध
 र्मदानपतिचरु वडुर्मदार्थदनक
 यय्यपास्यनमाजगतां निर्यानययया
 यिनी ॥ १५ ॥ पनमार्थविगुधजी मुला
 कउरुणामहान् ॥ सर्वसंपत्कनजीमा

[illegible]

२०
 १५
 १०
 ५
 ०
 स्तनमूर्तिवागीश्वरमहाबाबसर्वध
 मीगगनामनसुपनीशधधर्मधाउस्तन
 गर्हज्ज॥ **मंजुविद्या २॥** ॥ अथ वज्रध
 वजीमान् हस्त उस्तनकांजलि ॥ पुनं म
 नाथसंवेध हगवर्कं तथा गतः ॥ १ ॥
 अन्ये श्ववर्कं विरुधेनाथे गुह्यं वज्रपा
 निहि ॥ संसारधकाधनागाने पावावावे
 निदंवेव ॥ २ ॥ अन्नासमहनाथ सा
 धसाधसुताधिन ॥ कथं स्माकं महा
 नाथं संपर्कवाधियापका ॥ ३ ॥ जग
 रास्यनाथस्य विमूर्किलकांजलि ॥
 लयोमार्गविश्रुधायं मायांजालन
 यादिनं ॥ ४ ॥ गंमिनाशनवेपुल्य म
 हाथजगदर्थकत ॥ वृधनां विषयाह्व
 संम्यस्वयधराधिन ॥ ५ ॥ **॥ ६ ॥ निद्रपसं**
हानगाथापेवा ॥ १ ॥ ॥ आर्यमायांजा
 लान् पादससाह्याकायां महायाग
 कुंजपोतिसमाधिवाजपतनात् हगव
 नरुथागत अकमूर्तिराधिन हगव

॥

उत्तमपि

२५
 ३०
 ३५
 नमंशुआस्तनसत्त्वस्यपवमार्थनाम
 संगितिपविस्माफ ॥ **॥ १ ॥** ॥ **॥ १ ॥**
वृधाय ॥ ॥ पुनं वनमधर्माय तावनन
 मसंधाय ॥ महसुमयदवानाकम्यो
 वनकनकमल मोदिलववनकांयाता
 य ॥ यरुजंगा रुनिमनिकिनना क्लृ
 सर्वाधकां ॥ केनास्यजीविनास्य पुम
 दिक्कदया यवविधोधवडा ॥ वेधाकं
 दालरुगमूर्तिववनवनं अउमायां
 निसर्व ॥ जायांता अउका मा अस्तनस
 वगना सिधिगंधर्वनागा ॥ यकोदाक
 लांदाकिननंजा गनू उहविहना अक
 कादिदवा ॥ पूजापवापवावे जीरुव
 ननमिर्क मदनिरुधायं ॥ रुगग्राहं
 वावयापि पुनमिर्किलसा त्वं महा
 यानसुर्ग ॥ नमावृधाय ॥ नमाधर्माय
 नमः संधाय ॥ **॥ १ ॥** ॥ **॥ १ ॥**
॥ १ ॥ ॥ उत्तमपिसुलसंधे सिधिगंधर्वज
 रु दिविरुविस्वविधिजे अकवाहि

२०
 १५
 १०
 ५
 ०
 जतिसे अहमपि हनसकि नोमिसांव
 धमाए ॥ नवसिवागन्तुयांति किन्त्रया
 किदिलरु ॥ कपिनश्लिगपरु किलनि
 सखइख ॥ उविगकनकवहु रूलपमा
 यगाऊ ॥ सुनविलपलिवस सुपुताम
 दनस्मि ॥ दभवलनेवनिधं सुपुताम
 तागं ॥ १ ॥ मदनशालपिजकु कापयक
 उकस्तु ॥ गुरुवनहिनेकस्तु सुलगांजा
 नहंउ ॥ समसुखरुलदास्तु रुडलशन
 सिल ॥ दभवल ॥ २ ॥ असूनसुनेगना
 ना योगजस्मागहडा ॥ सकलरुवनका
 ना लाकपीष्टिकसद ॥ खपिनमनूज
 आना अरुयानिस्वयंरु ॥ दभवल ॥ ३
 उदयगिलिनरुमे विंइमाकजगाम ॥
 निमिलनिकलहेना वरुलखपजा
 ना ॥ नविधनिमदलाल सर्वथांसापि
 सुफ ॥ दभवल ॥ ४ ॥ दिलेदलसुनपां
 इनीनवस्मिसमांका ॥ कालिगव्वन
 जया सर्ववूदामनिज ॥ अविगनमद

लांग सर्वथांसापिसुफ ॥ दभवल ॥ ५ ॥
 परुलहेजवउक पाउसाडाधवका ॥ ५
 पानियमकलांरु सामव्यंडपवका ॥ अ
 मलकमलयानि सापिवकापिसुफ ॥
 दभवल ॥ ६ ॥ हिमगिलिखिलोम सु
 वरुलपविनि ॥ विपूननहनदरु व्याध
 वर्मनदिय ॥ सहगिनीशलपस्मा सापि
 सुफनीसुनी ॥ दभवल ॥ ७ ॥ कालिगक
 लिसपानि इजयाशनअमना ॥ सुलपानि
 लपिसंवा विमममाधाविना ॥ अनिस
 निसिस्सुफ कामपंकविमगन ॥ दभवल
 ॥ ८ ॥ कुवलयदलनील पुंदनीकायगा
 रु ॥ सुललिपुवलरुका विस्वकिर्किस्वन
 पि ॥ हलिलपिचिलसुफ गरुवास्पनम
 का ॥ दभवल ॥ ९ ॥ कालिगजगकलांरु
 नकलामाननाका ॥ पसुपानिलपिकाल सु
 गरुगकदरु ॥ समलसकालिगार्ग सापि
 सुगाकनांसा ॥ दभवल ॥ १० ॥ हिमसांति
 कूमदांरु मयपानाननाक ॥ ददकाथिन
 जग लांगिलिसकिरु ॥ वलरुहसहि

नमः त्रयविंशतिनाथ नमः ॥ दशवल ॥ ११ ॥
 गजमुखदलनेकः सर्वथाविघ्नहृत् ॥ अ
 विगतमदवालिः स्वस्वदशागीतगंधः ॥ गन
 पतिनापि सुफः वानुनियानमस्तु ॥ दशव
 ल ॥ १२ ॥ अस्मिन्कृष्णमनीलः जेकसकि
 कनाथ ॥ नवनपिनवेष्टुः खनमूषा
 कावहृत् ॥ जिनयनननयानिः सापि सु
 फकुमाल ॥ दशवल ॥ १३ ॥ अस्मनेव स
 नहिनाः निष्पयागानेयका ॥ वरुविविधधि
 क्षाप्रवगनाददहा ॥ उरुयगतिनिहि
 नाः तपिनगनापि सुफः ॥ दशवल ॥ १४ ॥
 अथयधिहमहाभाः रसविद्यागिनाथा
 करुकरुहमसिद्याः आसवानिकडां गा
 ॥ अथाधिगधनसगाकः मोहिनां नपि सु
 फः ॥ दशवल ॥ १५ ॥ अमवन्नकवनः ज
 रुदेसावर्गं ॥ दिविरुविगगलवाला
 कयालाकथन ॥ अथाधिगधनसगाकः
 अविनां नपि सुफः ॥ दशवल ॥ १६ ॥ रुव
 रुलदिधिमरुताः माहकालोहनाथ ॥ म
 निकपिलहनाथाः आस्मिन्मूरुविंशति ॥

समसुखरुलहिनाः वालिसांगपिसुफ
 ॥ दशवल ॥ १७ ॥ अस्मिन्लिलंदलवनः न
 मसिपिसुफः ॥ रुत्ताविषाजसयनः विष
 याप्रधान ॥ कालसुतासुखरुलेः पनिव
 रुमान ॥ जागर्थिसुतनः जलनमस्तु
 स्य ॥ १८ ॥ तिथ्युवावकलनगीः निपिवंति
 नायं ॥ रुष्टिं वरुतिनवतांः रुयनमास्तु
 स्य ॥ रुधर्मनिकपिसलः लपिसुतस्य ॥
 नाकं यनगुननिधिः गुनसागनस्य ॥ १९ ॥
 सप्रतागं रुवेकस्यः शानमस्तुवल्लभ ॥
 अस्मिन्निमित्ताधानः निस्सुमस्तुधिना
 नवि ॥ २० ॥ पुनप्रतागं पुनवडाधिनावनी
 पुनससांकापुनवडाः सर्वदशमस्तुगला
 जर्त ॥ रुथेयाहयागनागनः वृधकथन
 वृधस्य ॥ २१ ॥ सप्रतागं सनं रुज्जुया
 पथ्यहिनेदिनं ॥ वृधधर्मकसंधं वपन
 मामिदिनदिन ॥ २२ ॥ उल्लाकगुवृम
 हामनिगलः सधर्मपृथनिदयं ॥ रुगना
 गरुधखरुलिपः ॥ रुकं डियं निस्सहं ॥ २३ ॥
 रुत्पं नसमूपाकिनः खलमयागनः रुलं

काविलं॥ पुष्पवन्तुतिहखना दभवला
पुष्पाम्यलामाभूयान॥ २४ ॥ शक्तिपीओ
र्यसंम्यकं वधरुकोनकस्य हखेदवह
पतिविनचिकं दभवलातशनाउसमाप
॥ २५ ॥

उत्तमावजायनधर्मगतिययास
काविलं प्र विवेतावनजिनवनरतिहमास
नहिनसुतवनन॥ २६ ॥ नमामुनमालुपंचजिन
सुनन॥ २७ ॥ पुर्वदिगंगविजयति अडासजिनवनन
गजमासनसिद्धनितवर्ग॥ २८ ॥ दधिदिगंगविजयति
बलसंतवाजिनवनन २९ गंगामासनसिद्धनितवनन॥
॥ ३० ॥ पक्षिमदिगंगविजयति अतगाणजिनवनन
मयुगवाहनाहिनवनवनन॥ ३१ ॥

श्रीगणेशायनम श्रीगणेश सरसिबसेरदेवधि
जैत्रमोनुधाय॥ श्रीधर्मधातुचैतेजिनवर
वेदिनापदपंकजं २ मासिद्धदमपुनमासि
आमिनापरिमंदलं॥ ५ ॥ नस्तु २ पंचजिन
वरधर्मगजमाके मुनि २ जेनजेनप्रदक्षिणो
ते प्राप्तिविषदितं॥ २ ॥ चंद्रमदतमधर्म
स्थित चक्रधारिमहामुनि २ विजयविजय

प्रारुधरायनम विदर मयनव नमसेजाने
॥ ३ ॥ प्राचादिगीर्णित ईश्वरमित्तमपद नमा
रुधरायने २ पममसमसुष ध्यावधारितवध
नाथ महापुनि॥ ४ ॥ यामेदिगीर्णितरत्नसंभ
कदारिद्रलोक संपालिता २ पुरंगमासनकचि
नाथ वरदहृष्टभूमिभित्ती॥ ५ ॥ पक्षिमदिगी
नगयमुनिवले ३ अमितभजिनवाजिन २ न
ग्मासन ध्यावधारित पुष्पगगमनिपुणी॥ ६
उत्तरदिगीर्णित ईश्वर अमोघसिद्धि स्थापन
मुनिर्मला २ गुरुधामसक अभयकर वरस
सन्वदधारम

अथर्व

औनमाश्वि महारोषणय

श्रीनामसं
गातृश

मरुति

भईलेवाया